

and speak for a minute. Mr. Rahi, you should obey the Chair. It seems you will never stop. Mr. Rawat.

श्री हीश रावत (अल्मोड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे मित्र रामलाल राही जी कुछ जल्दबाजी में, कुछ विवेकहीनता में, कुछ उत्तेजना में ऐसी कुछ आपत्तिपूर्ण बातें कह गए हैं - उन्होंने कहा कि कांग्रेस का जो 35 साल का शासन रहा है वह झूठ, मक्कारी, फरेव और वृद्धवस्था का शासन रहा है, मैं उनको याद दिलाना चाहता हूँ कि इसमें से 30-31 साल तक जिनको वे अपना नेता मानते हैं, जिनका उन्होंने नाम भी लिया और जिनको वे मानते हैं कि उन्होंने बहुत से भूमि सुधार किए वे कांग्रेस की बंदौलत ही उत्तर प्रदेश में मुख्य मंत्री थे। इस प्रकार से वे भी हमारे साथ शामिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनको स्वीकार करना चाहिए था कि यदि हमारे शासन के दौरान कोई गलती हुई है तो उसमें उनके नेता का भी हाथ रहा है।

श्री राम लाल राही : वे इसी लिए हटाए गए थे क्योंकि वे भूमि सुधार करना चाहते थे, भूमी को परिवार के बीच बांटना चाहते थे।

इसी लिये भूमि चोरों ने षड़यन्त्र किया उन्हें हटाया गया।

MR. DEPUTY SPEAKER : Mr. Rawat, you can continue next time.

18.05 hrs.

#### PAPER LAID ON THE TABLE

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY) : I beg to lay on the Table a copy each of Notification Nos. 272/83-CE and 273/83-CE (Hindi and English versions) published in Gazette of India dated the 18th November, 1983 together with an explanatory memorandum regarding exemption to non-cellulosic wastes in general from payment of basic excise duty in excess of 50 per cent *ad valorem* or Rs. 9 per kg. whichever is less, issued under the Central Excise Rules, 1944. (Placed in Library. See No. LT - 7046/83).

MR. DEPUTY SPEAKER : The House stands adjourned to re-assemble on Monday, the 21st November, 1983, at 11 A.M.

18.06 hrs

*The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Monday, November 21, 1983/Kartika 30, 1905 (Saka)*